कोरूगेटेड बोक्स उत्पादकों के अस्तित्व के सामने खतरा

अहमदाबाद। क्राफ्ट पेपर मिल्स व बडे उपयोगकर्ताओं के बीच फसीहुई कोरूगेटेड पेकेजिंग इन्डस्ट्री फिर से कडी स्थिती का सामना कर रही है। इस इन्डस्ट्री के मुख्य कच्चा माल क्राफ्ट पेपर के भाव में हाल ही मे अनेक बार किमंत में असाधारण वृद्धि हुई है। इससे कोरूगेटेड पेकेजिंग के उत्पादन खर्च में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि हुआ है। आगामी सप्ताह में पेपर मिल किंमत में अधिक बढ़ोतरी करने की योजना बना रही है।

इन्डियन कोरूगेटेड केस मेन्युफेक्चर्स एसोसिएशन (आईसीसीएमए) के प्रेसिडन्ट श्री किरिट मोदी ने बताया कि, अब तक फ्रेगमेन्टेड मेन्युफेक्चरिंग प्रोसेस को सम्पूर्ण रूप से ओटोमेटिक प्रोडक्ट्स लाइन में अपग्रेड करने के लिये देश में हाल ही में आधुनिक व लेटेस्ट टेक्नोलोजी अपनाई गई है, जो विश्वभर में पेकेजिंग इन्डस्ट्री का मापदंड है। इन्डस्ट्री का यह क्षत्र इन्डियन कोरूगेटेड केस मेन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन के बेनर तहत एक हुआ है।

इन्डियन कोरूगेटेड केस मेन्युफेक्चर्स एसोसिएशन (आईसीसीएमए) के मानद् सचिव श्री हरीश मदन ने बताया कि, हम इस बारे में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय को एक आवेदन पत्र सुपरत कर उन्हें इस स्थिती के बारे में गंभीरता से विचारने के लिये तथा तत्काल उचित कदम उठाने के लिये निवेदन किया है।